

जीवन्यास पुं. (तत्.) मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा का मंत्र।

जीवपति पुं. (तत्.) धर्मराज। स्त्री. सुहागिन स्त्री, वह स्त्री जिसका पति जीवित हो।

जीवयोनि स्त्री. (तत्.) जीव-जंतु या जानवर का जीवन या सर्जना (सृष्टि)।

जीवरि पुं. (तद्.) जीवन-प्राण धारण करने की शक्ति।

जीवविज्ञान पुं. (तत्.) जीव-जंतुओं के विषय में जानकारी या ज्ञान, जीव-जंतुओं की शारीरिक जानकारी।

जीव-हत्या स्त्री. (तत्.) 1. प्राणियों की हत्या 2. प्राणियों की हत्या का दोष।

जीव-हिंसा स्त्री. (तत्.) जीवों का वध, प्राणियों की हत्या।

जीवांतक पुं. (तत्.) जीवों का वध करने वाला।

जीवा स्त्री. (तत्.) 1. ज्या 2. धनुष की डोरी 3. जीवन 4. जीविका 5. जीवन्ती।

जीवाणु पुं. (तत्.) अति सूक्ष्म जीव।

जीवातु पुं. (तत्.) 1. आहार, खाद्य 2. अस्तित्व 3. पुनर्जीवन 4. जीवन-रक्षक औषध।

जीवात्मा पुं. (तत्.) जीव, आत्मा, शरीर में स्थित आत्मा।

जीवादान पुं. (तत्.) बेहोशी, मूर्च्छा।

जीवाधार पुं. (तत्.) जीव का आश्रय स्थान, हृदय।

जीवानुज पुं. (तत्.) गर्गाचार्य मुनि, ये बृहस्पति के छोटे भाई माने जाते थे।

जीवावशेष पुं. (तत्.) जीवाश्म, प्राचीन काल के जीव-जंतुओं, वनस्पतियों के वे अवशिष्ट रूप जो जमीन की खुदाई करने पर निकलते हैं।

जीवास्तिकाय पुं. (तत्.) जैन दर्शन के अनुसार कर्म का करने वाला, कर्मफल भोगने वाला, किए गए कर्मों के अनुसार शुभाशुभ गति में जाने

वाला और सम्यक् ज्ञान के प्रभाव से कर्म के समूह का नाश करने वाला जीव।

जीविका स्त्री. (तत्.) भरण-पोषण का साधन, रोजी।

जीवित वि. (तत्.) 1. जीता हुआ, जिंदा 2. सजीव, सप्राण 3. वर्तमान, मौजूद।

जीवितव्य वि. (तत्.) जीवित रहने योग्य।

जीवितांतक पुं. (तत्.) शिव, शंकर, महादेव।

जीवितेश पुं. (तत्.) 1. प्यारा, प्राणनाथ, प्रिय 2. यमराज 3. इंद्र 4. सूर्य 5. शरीर में स्थित इड़ा और पिंगला नाड़ी 6. एक जीवनदायिनी औषधि जो मृतक को जीवित कर सकती है।

जीवितेश्वर पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

जीवी पुं. (तत्.) जीने वाला, जीविका करने वाला। प्रयो. परजीवी, श्रमजीवी, बुद्धिजीवी।

जीवंधन पुं. (तत्.) ईंधन, जलती हुई लकड़ी।

जीवेश पुं. (तत्.) परमात्मा, ईश्वर, परमेश्वर।

जीवोपाधि स्त्री. (तत्.) जीव की उपाधि, स्वप्न, सुषुप्ति, जागृति- तीन अवस्थाएँ।

जीस्त स्त्री. (फा.) जीवन, जिंदगी।

जीह स्त्री. (देश.) जीभ, जिह्वा, ज़बान, (ज़बॉ)।

जुंग पुं. (तद्.) विधारा नामक वृक्ष।

जुंगित पुं. (तत्.) बहिष्कृत, परित्यक्त।

जुंबाँ वि. (फा.) काँपता हुआ, हिलता हुआ, दोलायमान, कंपायमान, कंपित।

जुंबिश स्त्री. (फा.) चाल, गति, हरकत मुहा. जुंबिश रवाना- हिलना, डुलना।

जुंबुल पुं. (तत्.) जामुन, केतकी का वृक्ष, कान का रोग, सुयकनवा।

जूआँ पुं. (तद्.) दे. जूँ।

जुआँ पुं. (तद्.) जूँ, ढील, सिर के बालों में पड़ने वाला कीड़ा।

जुआ पुं. (तद्.) 1. रुपए-पैसे या अन्य किसी प्रकार की बाजी लगाकर खेले जाने वाला खेल, द्यूतक्रीड़ा